



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

7 आषाढ 1939 (श0)
(सं0 पटना 534) पटना, बुधवार, 28 जून 2017

सं0 08/आरोप-01-65/2015,सां0प्र0-3102

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

16 मार्च 2017

श्री राजा रामचन्द्र राम, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-1374/08, 1137/11, तत्कालीन अंचलाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी, विस्फी, मधुबनी के पद पर पदस्थापन के दौरान उनके विरुद्ध आयुक्त कार्यालय, दरभंगा के पत्रांक-1653/स्था०, दिनांक 16.11.2009 के द्वारा अवैध रूप से सैरातों की बन्दबस्ती करने एवं शिक्षक नियोजन में अनियमितता बरतने से संबंधित आरोप, प्रपत्र 'क' प्रतिवेदित हुआ।

2. विभागीय पत्रांक-4259, दिनांक 11.05.2010 द्वारा उक्त आरोपों पर श्री राम से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। श्री राम द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण (दिनांक 29.05.2016) पर विभागीय पत्रांक-8810 दिनांक 07.09.2010 द्वारा आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा से मंतव्य माँगा गया। इस क्रम में आयुक्त, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा ने अपने पत्रांक-859, दिनांक 11.08.2012 द्वारा यथा वांछित मंतव्य उपलब्ध कराया गया।

3. सम्यक् विचारोपरांत श्री राम के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोपों की जाँच हेतु विभागीय संकल्प ज्ञापांक-15789, दिनांक 22.11.2012 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित किया गया। संचालन पदाधिकारी यथा विभागीय जाँच आयुक्त, बिहार, पटना के पत्रांक-368 (अनु०) दिनांक 29.07.2015 द्वारा जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया। जिसकी प्रति संलग्न करते हुए श्री राम से विभागीय पत्रांक-15125, दिनांक 13.10.2015 द्वारा लिखित अभिकथन समर्पित करने का अनुरोध किया गया। इस क्रम में श्री राम ने अपने पत्रांक-733, दिनांक 26.10.2015 द्वारा लिखित अभिकथन समर्पित किया।

4. अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर आरोप, प्रपत्र 'क' एवं जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा में यह पाया गया कि विभागीय संकल्प ज्ञापांक-433 दिनांक 09.02.2009 द्वारा आरोप के एक अन्य मामले में निलंबित रहने के बावजूद आरोपित पदाधिकारी द्वारा वक्फ बोर्ड के बगीचे के बन्दोवस्ती की कार्रवाई की गयी, जिसमें भाग लेने वाले का हस्ताक्षर भी बीड सीट पर संदिग्ध पाया गया। इसके पश्चात् जिला पदाधिकारी द्वारा उक्त बगीचे की नये सिरे से बन्दोवस्ती की गयी। जिसमें पूर्व में की गयी बन्दोवस्ती की राशि (63,100/-) से ज्यादा राजस्व (यथा, 3,65,000/-) की प्राप्ति हुई। इस प्रकार श्री राम के विरुद्ध निलंबन अवधि में वित्तीय शक्तियों का गलत ढंग से प्रयोग करने एवं राजस्व की क्षति पहुँचाने का प्रयास करने का आरोप प्रमाणित पाया गया। जिसके आधार पर कालमान वेतन में निम्नतर दो प्रक्रम (दो वेतन वृद्धि पीछे) पर दो वर्षों के लिए संचयी प्रभाव से अवनति (दंड के प्रभाव अवधि में वेतनवृद्धि अर्जित नहीं करेंगे) का दंड विनिश्चित किया गया।

उक्त विनिश्चित दंड पर विभागीय पत्रांक-13483, दिनांक 03.10.2016 द्वारा बिहार लोक सेवा आयोग से मंतव्य माँगा गया। इस क्रम में आयोग की पूर्ण पीठ द्वारा उक्त दंड प्रस्ताव में दी गयी सहमति बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-3250, दिनांक 08.02.2017 द्वारा प्राप्त हुई।

5. अतएव उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में सम्यक् विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-14 के तहत श्री राजा रामचन्द्र राम, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-1374/08, 1137/11 के विरुद्ध निम्नलिखित शास्ति अधिरोपित की जाती है :-

(क) "कालमान वेतन में निम्नतर दो प्रक्रम (दो वेतन वृद्धि पीछे) पर दो वर्षों के लिए संचयी प्रभाव से अवनति। (दंड के प्रभाव अवधि में वेतनवृद्धि अर्जित नहीं करेंगे)।"

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

राम बिशुन राय,

सरकार के अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 534-571+10-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>